गीतांजलि विश्वविद्यालय, उदयपुर के दीक्षांत समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

शौर्य, साहस, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान की धरती, देश और प्रदेश की पुण्यभूमि उदयपुर में आज आप सब युवाओं के बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

आज दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने अपनी शिक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया और आज जिन्हें यहाँ उपाधि मिल रही है। यह आप सबके लिए गौरव का क्षण है।

आज आपके डीन एवं प्रोफेसर बहुत खुश होंगे, क्योंकि उनके द्वारा पढ़ाए गए विद्यार्थी मानवीय सेवा के पुनीत कार्य और समाज सेवा के लिए अपने आपको समर्पित करने जा रहे हैं।

गीतांजलि विश्वविद्यालय राजस्थान के उदयपुर में स्थित एक उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान है।

वर्ष 2011 में श्री जे.पी. अग्रवाल द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य उदात्त मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है, जिससे हमारे देश की भावी पीढ़ी के लिए एक सुदृढ़ आधारशिला तैयार होगी, ताकि यह पीढ़ी अपने व्यक्तिगत योगदान के माध्यम से एक बेहतर विश्व का निर्माण कर सके।

आप अपने आदर्श वाक्य “स्वास्थ्य का सुख सबसे बड़ा सुख होता है” की भावना के अनुरूप लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त आपके यहाँ 1500 बिस्तरों का अस्पताल भी है, जो आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से युक्त है और इसी कारण से जनता में यह लोकप्रिय भी है। प्रति वर्ष लाखों लोग इलाज के लिए आपके अस्पताल में आते हैं।

दीक्षांत समारोह का दिन किसी भी विद्यार्थी के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण दिन होता है। यह विद्यार्थी के कई वर्षों के परिश्रम और उसके अध्ययन के समापन के बाद एक नई शुरुआत का अवसर है।

मेडिकल साइंस की उपाधि हमारे समाज में बड़ी सम्मान की दृष्टि से देखी जाती है। आप आगे प्रैक्टिस कर प्रोफेशनल डॉक्टर बनेंगे और जो शिक्षा आपने इस संस्थान से प्राप्त की है, उस शिक्षा से हम समाज में क्या कॉन्ट्रीब्यूशन दे सकते हैं, इस दिशा में हमें सोचना है।

इससे आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि जितनी मेहनत से आपने अपनी पढ़ाई पूरी की है, उससे भी अधिक मेहनत से आप अपने प्रोफेशनल जीवन में काम करें। अपनी प्रैक्टिस के लिए आप जहां भी जाए, आपका मिशन यही होना चाहिए कि जो पीड़ित व्यक्ति आपके पास आए, आप उसकी बीमारी का निदान कर सको।

आप 21वीं सदी के ऊर्जावान और प्रतिभासंपन्न युवा हैं। आपकी बौद्धिक क्षमता, आपकी काबिलियत सर्वश्रेष्ठ है। और इसलिए आपसे उम्मीदें हैं कि देश और प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में जो समस्याएं हैं, आप उनके निवारण पर काम करोगे। हमारे गाँव-कस्बों तक कैसे हम उन्नत हेल्थ फेसिलिटी पहुँचा सकते हैं, कैसे हर व्यक्ति तक सस्ता और गुणवत्तापूर्ण उपचार पहुँचे; आप इस दिशा में समाधान के लिए काम करोगे।

मैं आपसे कहना चाहूँगा कि आपका यह जो फील्ड है, इसमें व्यक्ति जीवनभर एक छात्र बना रहता है। बड़े एवं नामी डॉक्टर वो ही बनते हैं, जो अपनी एमबीबीएस/अपनी डिग्री के बाद भी सीखना निरंतर जारी रखते हैं। इसलिए आपका निरंतर अध्ययन ही आपको सर्वश्रेष्ठ बनाए रखेगा।

बदलते परिप्रेक्ष्य में मेडिकल साइंस में पहले की तुलना में कई परिवर्तन हुए हैं। एक समय था जब हमारे पास संसाधन, तकनीक और सुविधाओं की कमी हुआ करती थी। लेकिन धीरे धीरे आज हम इस स्थिति में पहुंचे हैं कि भारत को विश्व का मेडिकल हब माना जाता है। विदेशों से लोग सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज कराने भारत आ रहे हैं।

अब समय बदल गया है। भारत में मेडिकल साइंस में डिजिटल, तकनीक, रिसर्च और डेवलपमेंट का नया युग शुरू हो चुका है। हम विकसित राष्ट्रों से विज्ञान, टेक्नॉलजी और रिसर्च के अंदर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो गए हैं, क्योंकि हमारे युवाओं की बौद्धिक क्षमता, कड़ी मेहनत और हमारे संस्कार ने हमें इस योग्य बनाया है।

आज मेडिकल साइंस में भी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के द्वारा बड़े बदलाव आ रहे हैं। आने वाले समय में डाटा एनालिटिक्स, एआई/ रोबोटिक्स और तकनीक का बहुत महत्व बढ़ने वाला है। इसलिए यह जरूरी है कि आपको इन विषयों की भी जानकारी हो।

लेकिन उपचार के साथ आपकी यह भी जिम्मेदारी है कि आप आम जन को स्वास्थ्य संबंधी विषयों को लेकर जागरूक करें। हमारी कोशिश हो कि हम रोग के उपचार के साथ साथ बीमारी के प्रीवेन्शन पर भी ध्यान दें।

इसके लिए आपको अपने क्षेत्र की आम जनता के साथ संवाद स्थापित करना होगा। मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले आप युवा विद्यार्थी क्यों ना उदयपुर, राजस्थान में आस-पास के कुछ गाँवों को या किसी एरिया में यह संकल्प लें; कि यहाँ अगर स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या आती है, तो आप आगे बढ़कर कॉर्डिनेशन कर ज़रूरतमन्द लोगों की सहायता करोगे। आप भी इस तरह सेवा के लिए काम कर सकते हैं।

मेडिकल का प्रोफेशन सिर्फ प्रोफेशन नहीं है, यह एक दायित्व है, एक कर्तव्य है। मैं आपसे यह कह रहा हूँ कि आप पूर्ण समर्पण भाव से अपने प्रोफेशन में काम करें। इसी के साथ आम और कमजोर जन की सेवा के लिए समय ज़रूर निकालें।

यदि हर व्यक्ति थोड़ा थोड़ा प्रयास भी करे, तो हम बड़े बदलाव ला सकते हैं।

मेरे युवा साथियों, बीमारियां सिर्फ एक इंसान को नहीं, जो एक व्यक्ति बीमार होता है, सिर्फ उसको ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार को बीमारी प्रभावित करती हैं।

जब एक व्यक्ति बीमार पड़ता है, तो पूरा परिवार गरीबी और विवशता के जाल में फंस जाता है। इसलिए मेडिकल शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना ही नहीं बल्कि एक अच्छा संवेदनशील इंसान बनाना भी है।

विद्या में नैतिक मूल्यों का समावेश आवश्यक है क्योंकि नैतिक मूल्यों के बिना प्राप्त विद्या, समाज के लिए कल्याणकारी नहीं हो सकती। इस नव युग के साथ-साथ हमें भारत की संस्कृति, संस्कारों के अंदर संवेदना और मानवीय सेवा के साथ जुड़ने के संकल्प को भी नहीं छोड़ना है।

प्रिय विद्यार्थियो, समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता लाने में सबसे बड़ी भूमिका यदि कोई निभा सकते हैं, तो वो डॉक्टर्स हैं। हर आम जन अपने हेल्थ को लेकर जागरूक रहे, समय-समय पर हेल्थ चेक अप करवाते रहे; जिससे कि बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण हो।

अभी हमें मेडिकल साइंस के अंदर और प्रगति करनी है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का जो विजन है, जो सोच है कि दुनिया में सबसे अच्छे इनोवेशन भारत में हो, शोध हो, हर इनोवेशन, हर रिसर्च भारत के नौजवानों के साथ हो। भारत को निरोगी बनाने की हमारी इच्छा शक्ति मजबूत है।

देश में MBBS सीटों की संख्या बढ़ाने में निजी क्षेत्र और सरकारी क्षेत्र मिलकर काम कर रहे हैं। जल्दी ही वह समय आएगा जब देश के अंदर प्रति वर्ष एक लाख डॉक्टर तैयार होंगे।

हम दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति के जीवन में स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से परिवर्तन ला सकें। इसलिए कोविड के बाद चिकित्सा इन्फ्रास्ट्रक्चर में विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं, हर राज्य में एम्स खोले जा रहे हैं, रिसर्च के नए संस्थान खोले जा रहे हैं।

हमारी ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा बेहतर हो, इसलिए आने वाले समय में डिजिटल युग में हम दूर-दराज के गांव में बैठकर भी अपने डिजिटल तंत्र के माध्यम से टेलीमेडिसिन सेवा से उसको बेहतर कर सकते हैं।

मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि आज यहाँ इस हॉल में छात्राओं की संख्या भी अच्छी-खासी है। मेडिकल और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं का नामांकन लगातार बढ़ रहा है। यह हमारे समूचे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभ संकेत है। समाज और देश तभी आगे बढ़ता है जब हमारी महिलायें शिक्षित होती हैं।

प्रिय विद्यार्थियो, अंत में मैं आप सब विद्यार्थियों से यही कहना चाहूँगा कि आप सभी को अपने लिए और अपने समाज व देश के लिए कुछ महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने चाहिए।

आने वाले 10 वर्षों में या आने वाले 25 वर्षों में हम अपनी सफलता से अपने राष्ट्र को अग्रसर करें; यह हमारा ध्येय होना चाहिए।

अंत में लोक सभा के अध्यक्ष होने के नाते आपसे यह भी कहना चाहूँगा कि आप देश के एक जिम्मेदार नागरिक हैं और इसलिए आपके ज्ञान और अनुभव का लाभ हमारी विधायी संस्थाओं को भी मिलना चाहिए। स्वास्थ्य से संबंधित कोई बिल पार्लियामेंट में या स्टेट असेंबली में आ रहा हो, तो आप उस पर अपना इनपुट दें, यह बहुत जरूरी है। इसके लिए आप अपने जनप्रतिनिधियों से संपर्क बनाए रखें।

मैं दीक्षांत समारोह के इस मौके पर सभी लोगों, जिनको उपाधियां मिली हैं, उनको साधुवाद देता हूं, बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि वे नए संकल्प से, नए आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे।

आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।